

प्रेषक,

अतर सिंह  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

**चिकित्सा अनुभाग-5**

देहरादून:

दिनांक: 04 मार्च, 2015

**विषय-** वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत राजकीय स्वायत्तता प्राप्त चिकित्सालयों के सुचारु संचालन हेतु तृतीय व चतुर्थ किस्त की धनराशि का आवंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-5प/1/25/2015-16/3937 दिनांक 19.02.2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनागत मद में अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2210-01-110-15-राजकीय स्वायत्तता प्राप्त चिकित्सालयों के सुचारु संचालन के मानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि ₹186.36 लाख (एक करोड़ छियासी लाख छत्तीस हजार मात्र) के सापेक्ष पूर्व में अवमुक्त धनराशि के अतिरिक्त 50 प्रतिशत ₹93.18 लाख (रूपये तिरानबे लाख अठ्ठारह हजार मात्र) की धनराशि संलग्न अलॉटमेंट आई.डी. के अनुसार निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त कर आपके निर्वर्तन पर रखते हुये व्यय किये जाने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. आगामी वित्तीय वर्ष से उक्त चिकित्सालयों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के पैनल में लाया जाय।
2. उपरोक्त उल्लिखित धनराशि इस शर्त के साथ अवमुक्त की जा रही है कि उक्त मद में अब तक अवमुक्त धनराशि का व्यय/ऑडिट विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र एक पक्ष के भीतर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
3. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है।
4. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हों, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
5. किसी भी शासकीय व्यय हेतु Procurement Rules, 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम),

आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) व वित्त विभाग-1 के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

6. धनराशि व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
7. अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01.04.2015, शासनादेश संख्या-1080/XXVII(1)/2015 दिनांक 08.09.2015 में निहित निर्देशों का अनुपालन करते हुये सुनिश्चित किया जायेगा।
8. पूर्व में अवमुक्त की गयी धनराशि के व्यय का उपयोगिता प्रमाण पत्र संबंधित चिकित्सालयों से प्राप्त करने के उपरान्त ही भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। उक्त के अतिरिक्त इस शासनादेश के अन्तर्गत अवमुक्त की जा रही धनराशि के व्यय का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी एक पक्ष के अन्दर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
9. भारत सरकार को समय से सम्परीक्षित प्रतिपूर्ति के देयक प्रस्तुत किये जायें, जिसके अभाव में प्रतिपूर्ति दावों के भुगतान में कठिनाई/विलम्ब न हो।
10. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत संलग्नकों में वर्णित लेखाशीर्षक की प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-1080/XXVII(1)/2015 दिनांक 08 सितम्बर, 2015 में प्रदत्त वित्तीय प्रतिनिधायन अधिकारों के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

**संलग्न : ऑन लाईन एलॉटमेंट संख्या- S1603120062**

भवदीय,  
(अतर सिंह)  
संयुक्त सचिव

**संख्या- 324 (1)/XXVIII-5-2016-118/2015 तददिनांक।**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबरोय बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-1 व 3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से  
(अतर सिंह)  
संयुक्त सचिव